



Gen-Z की रहस्यमयी दुनिया डिकोड

जंग, क्रांति, Nothing Ever Happens



2026 की शुरुआत ट्रंप की वेनेजुएला पर स्ट्राइक से हुई। शुरुआत मान रहा था, यही इंटरनेट पर Nothing Ever Happens मीम्स की बाढ़ आ गई। इस फिलॉसफी को मानने वालों को लगता है कि जंग हो या किसी देश या तख्तापलट या फिर कोरोना जैसी महामारी का आना, आखिर में कुछ नहीं बदलता। इसी से जुड़ा है Billions Must Die का विचार और Chudjak कैरेक्टर। सोशल मीडिया पर स्कॉलिंग के दौरान हमें यह मीम कल्चर दिखाता है, लेकिन समझ नहीं आता। आखिर Gen-Z के इस मीम कल्चर का असली मतलब क्या है और इसकी शुरुआत कैसे हुई? इस रोमांचक और रहस्यमयी दुनिया से पर्दा उठा रहे हैं **वरुण आनंद**

मीम नहीं, ख़ास नज़रिया ... ताकि नया समाज बने

Nothing Ever Happens (NEH) का आरम्भ चाँची में मतलब है कि कभी कुछ नहीं होगा, लेकिन असल में इसका मतलब कभी नहीं है। डिजिटल युग में यह केवल इंटरनेट मुहावरा या मीम नहीं रह गया है बल्कि यह आज के दौर की राजनीति और वैश्विक घटनाओं को देखने का एक ख़ास नज़रिया बन गया है। इसे मानने वाली खासतौर पर Gen-Z का कहना है कि दुनिया आज ऐसे दौर में पहुँच चुकी है, जहाँ बड़ी-बड़ी घटना यादों के बजाय फ्लैट्स की क्रांतिवादी या विद्रोहीवादी मीमों में लगे, आखिर में नोबल हासल हो बदलने में नाकाम हो रहती है। सब कुछ यही रहता है।

It's Happening के जवाब में हुई शुरुआत Nothing Ever Happens की शुरुआत It's Happening के जवाब में हुई। यह सोच किसी भी घटनाक्रम को बड़े बदलाव से जोड़ती है। इसकी शुरुआत 21वीं सदी के पहले दशक में पूर्व अमेरिकी पॉलिटिशियन और कॉन्ग्रेस रॉबर्ट रॉय से मानी जाती है। यह इंटरनेट पर इनके पचास लोकप्रिय हुए कि मीम्स में उनकी फोटो के साथ It's Happening लिखकर फेलावा गया था। अगर रॉय पॉल राइटपॉलि से तो अमेरिका में बहुत बड़ा बदलाव होगा, लेकिन भारी ऑनलाइन सपोर्ट के बावजूद उन्हें उनकी पार्टी ने उम्मीदवार ही नहीं बनाया। मतलब उम्मीद तो बहुत थी, पर नतीजा कुछ नहीं निकला। इसी It's Happening की ओवरहाट के जवाब में तैयार करते हुए Nothing Ever Happens की शुरुआत हुई।

Nothing Burger इतिहास इंटरनेट से भी पुराना इस सोच को जहाँ इंटरनेट से भी पुराना है। अंग्रेजी मुहावरे Nothing Burger का मतलब है कोई ऐसा खोज या घटना जिसे बहुत ज्यादा प्रचारित किया गया, लेकिन असल में यह बेकार या उम्मीद से बहुत काम निकाली यानी खोटा फ्राड, निराला घुसा। Nothing Burger का इस्तेमाल 1950 के दशक में हॉलिवुड गॉस्पेल फॉलमिस्ट लीएल्ब पार्सन्स ने किया, जिसका मतलब ऐसे अफवाहों को खारिज करना था, जिनमें कोई बम नहीं होता था। फिर यह पॉपकॉन की सीरी, के राजनीतिक हलकों में संयुक्त हुए, जहाँ इसका यूज उन पिछाड़ों या जादू के लिए हुआ जो बड़े लेवल पर शुरू हुई, पर आखिर में कोई ठोस रिजल्ट नहीं निकला।

Billions Must Die को सारे शब्दों में लिखें तो इसका मतलब होगा है 'अबों को मरना होगा', लेकिन इसका वास्तविक अर्थ है 'अबों के मरने से नहीं बल्कि बड़े विनाश की जरूरत है। Gen-Z ने कि बदलाव की बर्तन से पक चुके हैं, उनका सारा कहना है कि आज सामाजिक और राजनीतिक सिस्टम इतना ख़राब हो चुका है कि इसे सुधारना नसबुर्त है। इसलिए इसके विनाश की प्रक्रिया को तेज़ कर देना चाहिए, ताकि एक नया समाज जन्म ले सके। नया समाज पुराने समाज के बुरा होने से ही बन सकता है।

The West has fallen से जुड़ा इस विचारधारा का जन्म सी गुमनाम इंटरनेट परम 4chan पर हुआ था। यह इंटरनेट का ऐसा कोना है जहाँ अक्सर बहुत ही तीखी पॉलिटिकल चर्चाएँ और विवादास्पद मीम्स बनते हैं। इसकी शुरुआत और प्रसार को इस तरह से देख जा सकता है।

2019 में मिला चेहरा इस मीम का मुख्य चेहरा Chudjak है। कहा जाता है कि यह कार्टून फेस 2019 में अमेरिका के एल पासी में हुई गैलीबोरी की घटना को अंजाम देने वाले ट्रिप्लिक ब्रुसिस पर आधारित था।

2021 में जुड़ा 2021 के अंत में, 4chan पर युवकों ने पश्चिमी समाज के कलिय पतन का मतलब दृढ़ करने के लिए The West has fallen (पश्चिम का पतन हो चुका है) कहना शुरू किया। इसके साथ ही Billions Must Die का जवाब जुड़ गया।

ध्यान खींचने के लिए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल Billions Must Die की पहली नज़र में देखें तो एकदम से लगता है कि अरबी लेखों की पैर। दरअसल, ऐसे शब्दों को इस्तेमाल करने के पीछे का मतलब ही लोगों का ध्यान खींचना है।

दिखती है ग्लोबल रीसेट की भावना इस सोच को मानने वाले विचार के उस चरम पर पहुँच चुके हैं, जिनका मतलब है कि इस दुनिया का अब कुछ नहीं हो सकता। आज की दुनिया सरकारी और सिस्टम की इतना जंगल जंग चुका है कि ग्लोबल रीसेट किए बिना सुधार या बदलाव मुमकिन हो नहीं है। वह क्रांति की वह दबे धिंगने है जो ऐसी सोच वाली के अंदर ही अंदर धमक रही है।

ये हैं प्लैटफॉर्म कहा जाता है कि इस सोच का आधुनिक और डिजिटल अवतार इंटरनेट पर सबसे पहले गुमनाम इंटरनेट फोरम 4chan पर आया। समय के साथ 4chan के युवकों ने महसूस किया कि It's Happening के कई चोरे फेल हुए। अब It's Happening कहने वाले का मतलब उठाने और उन पर तलब करने के लिए Nothing Ever Happens (NEH) की शुरुआत हुई। इसके बाद यह Reddit और X (पहले ट्विटर) पर फैलने वाले गए और आज भी जब भी किसी ख़तरनाक प्लैटफॉर्म को रखा जाता है तो एक अजीब से एक्सेलेशन में सेरेन घंटे बाल कैचर हमारे सामने आ जाते हैं।

आज भी जारी है जंग आज भी दुनिया में जब कोई बड़ी घटना होती है तो ख़तरनाक मीडिया पर उसके रिक्वायर्स आने लगते हैं। एक वर्ग कहता है कि कुछ हो रहा है, कुछ नहीं हो रहा है, कोई बड़ा बदलाव हो रहा है, जबकि दूसरा जवाब Nothing Ever Happens (NEH) मानने वाले अपनी बातें तो देते हैं। इंटरनेट पर दोनों विचारधाराओं की जंग आज भी हर मुद्दे पर देखने को मिलती है।



यह तो सदियों से सुन रहे कबे कुछ नहीं बदलता और बड़े विनाश के बिना बदलाव नहीं आ सकता, ये विचार नए नहीं बल्कि हम सदियों से सुन रहे हैं।

उम्मीद लाते हैं Billions Must Try जैसे विचार कहते हैं रोशनी से पहले का अंधेरा सबसे पक्का होता है यानी हर अंधेरे के बाद रोशनी आती ही आती है। कृति तरह विचार की एक्सट्रीम मानने Billions Must Die के जवाब में Billions Must Try, Billions Must Love/Smile, Billions Must Heal, Billions Must Hope/Live जैसे पॉजिटिव और उम्मीद से विचारों के मीम आते हैं। Billions Must Try का विचार कहता है कि हमें जो कामकाज होने की मंटी हो, लेकिन अरबी लेखों को कोशिश उठाने करने चाहिए कोशिश करने की इमान की ताकत को दिखाता है और कोशिश करने वाले की कमी हर नहीं होती। Billions Must Love/Smile में अक्सर Chudjak को मुस्काने के बजाय एक बड़ी मुस्कान के साथ दिखाया जाता है। Billions Must Hope/Live का विचार कहता है कि दुनिया अभी ख़त्म नहीं हुई है और अरबी लेखों को जीने के उम्मीद बनाए रखने चाहिए। यही, The West Has Fallen में The West Has Fallen का सीधा जवाब है, 'ने वह बताते हैं कि समाज का पतन नहीं हुआ है बल्कि वह नए सिरे से ऊपर उठ रही है।

कब से इंटरनेट पर कहा जाता है कि Nothing Ever Happens की शुरुआत 2014 में 4chan पर हुई और वॉरीय 2019 में Billions Must Die का विचार दुनिया में सोशल मीडिया पर फैला। हालाँकि, भारत में 2020 के बाद ये विचार बदले हुए मीम्स के साथ फैलने शुरू हुए और अब जगह दिखाई देते हैं।

दोनों विचार आपस में जुड़े Nothing Ever Happens और Billions Must Die दोनों ही एक-दूसरे को पूरा करते हैं। ये फिलॉसफी आज के डिजिटल युग के चालीपन, इतरा और दुनिया की बड़ी घटनाओं के प्रति अलग नज़रिया पेश करती है। यहां Nothing Ever Happens बैरियर और रिक्वाय की बात करता है, यही Billions Must Die उस रिक्वाय की खतम करने को इच्छा है।

...यानी यह सोच काफी हद तक सही

अभी तक हम दुनिया में ऐसी कई बातें और घटनाएँ सुन और देख चुके हैं, जिनसे लग रहा था कि इनके बाद तो बहुत बड़ा बदलाव आ जाएगा, लेकिन आखिर में यही डाक के तीन पाते। कुछ नहीं बदला।

ऐतिहासिक घटना	It's Happening का दावा	NEH के मुताबिक कुछ नहीं बदल
Y2K बम (2000)	दुनियाभर के कंप्यूटर सिस्टम ख़राब 2000 में ख़राब हो जाएंगे।	आखिर में यह बात सिर्फ अफवाह रहस्य हुई, कुछ भी नहीं हुआ।
रॉब पॉल अभियान (2012)	अमेरिकी राजनीति में क्रांतिवादी बदलाव आएगा, देश पर होवे असर।	रॉय को उनकी पार्टी ने ही टिकान नहीं दिया और कुछ नहीं हुआ।
दुनिया का अंत (21 सितंबर 2012)	माया कैलेंडर के मुताबिक दुनिया ख़त्म हो जाएगी, सत्य सही।	न कोई प्रलय आई, न दुनिया ख़त्म हुई। यह तो आज भी वैसी ही वैसी है।
पॉकिंड-19 (2020)	यह महामारी दुनिया की तलवारी पुरी तरह से बदल कर रख देगी।	कुछ समय बाद हम वापस अपने-अपने पुराने कठिनाई पर लौट आए।
ख़तरा कोरिया (मार्च 2024)	देशा बड़े संघर्ष की ओर बढ़ता दिखा, कई इलाकों में सैन्य तैनात हो गईं।	कुछ ही घंटों में बिना किसी बड़े बदलाव के चीन-सामनाय हो गई।

नोट: हालाँकि, इन घटनाओं का साराफा कर चुके लोगों का तर्क हो सकता है कि बदलाव आया है। कोरोना में अपनी को खोने वाले कह सकते हैं कि सब कुछ पहले जैसा नहीं रहा, लेकिन देखा जाए तो हर कोई आज अपनी जिंदगी जैसे ही जी रहा है जैसे कोविड से पहले जी रहा था। भले ही किसी अपने को को दिया हो।

किमी क्रांति की तरफ: NEH की सोच वालों की निराशा का एक किमी क्रांति के रूप में भी देखा जा सकता है, जो हर बार किसी बदलाव की बातें सुन-सुन कर इनके जब कुछ है कि बदलाव की उम्मीद ही छोड़ चुके हैं। इससे उनके अंदर धमक रही है बड़े बदलाव की आज जितने Billions Must Die के रूप में देख सकते हैं।

यह तो सदियों से सुन रहे

मूल स्थिति तो वही रहती है ज्यादातर दर्शन भी यही कहते हैं कि संसार ख़त्म हो चुका रहता है, नती फटना पड़ती रही है, लेकिन मूल स्थिति वही रहती है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि आत्मा न जन्म लेती है, न मरती है यानी बहती बदलाव के बावजूद मूल सत्य स्थिर रहता है। इसे अद्वैतवाद के कर्म के सिद्धांत से भी जोड़ सकते हैं, जिसके मुताबिक कर्मों का फल नहीं होता, बस अपना कर्म बदलती है।

प्रलय की बात हर धर्म में है लगभग हर धर्म और सभ्यता में प्रलय या संसार के अंत की अवधारणा मिलती है। हालाँकि, उसके रूप और कारण अलग-अलग रहते हैं। सनातन धर्म में प्रलय को सृष्टि के पड़ा का हिस्सा माना गया है, नती सृष्टि, विध्वंस और संसार का-कार लेती है। ईसाई और इस्लाम धर्म में प्रलय को एक अंतिम दिन (Judgement Day/क़यामत) के रूप में देखा गया है। यही तो Gen-Z कहते हैं। Billions Must Die.

...और भी हैं विचारधाराएं

Nothing Ever Happens और Billions Must Die के अलावा ऐसी तमाम फिलॉसफी हैं, जो इंटरनेट पर अपनी भवनाएँ दिखाने के लिए इस्तेमाल हो जाती हैं। इनमें से कुछ खास ये हैं:

- We Live in a Society** इसका मतलब है कि योनि, कंप्यूटर और और बहर जकार अक्षरी दुनिया को देखो। जब कोई इंटरनेट पर किसी बात को लेकर बहुत ज्यादा गुस्सा हो जाए या बेवकूफ बनने लगें तो लोग उसे रिप्लिकेटि वेक देने के लिए कहते हैं कि मे, टय घब।
- This Is Fine** जब चारों तरफ आग लगी हो पानी मुर्खों हो तब कोई शक्ति से बैकडर कोही पीते हुए को कि सब ठीक है। यह हम मानने की भावना को दिखाता है। अक्सर एजन्स प्रेर, वॉक लोड या बड़ी मुर्खों को मजबूत दिखाने के लिए इसे यूज किया जाता है।
- Touch Grass** इसका मतलब है कि योनि, कंप्यूटर छोड़ो और बहर जकार अक्षरी दुनिया को देखो। जब कोई इंटरनेट पर किसी बात को लेकर बहुत ज्यादा गुस्सा हो जाए या बेवकूफ बनने लगें तो लोग उसे रिप्लिकेटि वेक देने के लिए कहते हैं कि मे, टय घब।
- Crown World** दुनिया को एक पगलपगलने या सभ्यता की तरह देखना बहुत कुछ है लेकिन नहीं हो रहा। बस तमाम उध गुन रहा है। जब ख़राब या सचकारी फैसले बहुत ही अजीब और बेवकूफ लगते हैं तो लोग कहते हैं कि Welcome to the crown world.
- Let It Rot** जब हालात इतने ख़राब हों कि उन्हें सुधारना नसबुर्त लगें तो कोशिश करना छोड़ देना और उसे जलाकर ख़राब होने देना। यह चीन के कुछ अंश से मुक्त हुआ एक विचार (BoL Lan) है। इसका मतलब है कि इसे सचने दो।
- Dead Internet Theory** क्रीक 2021 में संयुक्त हुए इस सोच के मुताबिक, इंटरनेट अब इंसानी नहीं रहा। बॉयस (bots) और AI से जनरेटड कंटेंट से रहा है। लोग इससे अपने अकेलेपन की भावना दिखाते हैं, नती लोहा है कि ये इंसानी के बजाय मशीनों से बना कर रहे हैं।

वे कैरेक्टर जो बनाते हैं डिजिटल थिएटर: चेहरे जो बिन बोले कह जाते हैं सब कुछ

Nothing Ever Happens और Billions Must Die की सोच को दिखाने के लिए एक खास चेहरे का इस्तेमाल किया जाता है। कहा जाता है कि यह Chudjak है जो अपने चेहरे के एक्सप्रेसन से ही कई बार ऐसी बातें कह जाता है जो शब्द बर्ण नहीं कर पाए। इंटरनेट पर यह एक्सप्रेसन से नहीं आ गया। जिस तरह से ऊपर बताए दोनो विचार किसी न किसी से प्रेरित हुए, किसी का जवाब देने के लिए जन्मे और डिजिटल होते चले गए, जो हर बार किसी बदलाव की बातें सुन-सुन कर इनके जब कुछ है कि बदलाव की उम्मीद ही छोड़ चुके हैं। इससे उनके अंदर धमक रही है बड़े बदलाव की आज जितने Billions Must Die के रूप में देख सकते हैं।

जाने, इन मीम्स की विकास यात्रा इन मीम्स को समझने के लिए इनके चेहरे के पुराने डेटा (Wojak) की समझना जरूरी है। कहा जात है कि डेटाक की शुरुआत 2009 में एक पॉलिश इमेजबोर्ड विमान (Vichan) पर हुई थी। शुरुआत में यह केवल एक उदस चेहरे का स्टेचर था जो सलामुबू और दुख को दिखाने के लिए इस्तेमाल किया जाता था। समय के साथ डेटाक के कई वैरिएंट बने। विमान 4chan की तरफ आ और कहा जाता है कि उससे प्रेरित था, लेकिन अब यह पूरी तरह से बद हो चुका है।

वोयाक के चर्चित वैरिएंट और उनके मतलब

- Soyjak (2017)** यह धरम और दाढ़ी वाला वोयाक है जो अक्सर किसी चीज पर उतरफिर होता है। इसकी अक्षरी में घमका दिखती है। यह कमजोर समझे जाने वाली का मतलब उठाने के लिए इस्तेमाल होता है।
- NPC (2018)** NPC यानी नॉन प्लेयर कैरेक्टर। यह बिना किसी ख़ासियत वाले चेहरे का वोयाक है, जो उन लोगों को दिखाता है जो खुद नहीं सोचते और केवल मेडिया में चलते दिखते हैं।
- Doomer (2018)** वाली का मतलब सिस्टम पीता हुआ वोयाक, जो रिक्वाय, डिप्रेसन और दुनिया के अंत पर भरोसा दिखाता है। इसके मुताबिक मीडिया अंधेरे में है और सिस्टम नहीं बदलने और मेहनत का फल नहीं मिलेगा।
- Bloomer (2018)** यह दुमर के जगत है जो पॉजिटिव है। इसे Hopecore भी कहते हैं। इसमें लोग इस बात पर ज़ोर देते हैं कि भले ही दुनिया में किन्हीं भी मुश्किलें हो, जिनकी ख़ुशी और उम्मीदें नहीं छोड़नी चाहिए।
- Chudjak (2019-21)** यह दुमर के जगत है जो पॉजिटिव है। इसे Hopecore भी कहते हैं। इसमें लोग इस बात पर ज़ोर देते हैं कि भले ही दुनिया में किन्हीं भी मुश्किलें हो, जिनकी ख़ुशी और उम्मीदें नहीं छोड़नी चाहिए।

Disclaimer: अक्सर पर मीम्स को सिर्फ हस-मजाक की चीज समझा जाता है, लेकिन इसमें कई तरह की भावनाएं शामिल हैं। मीम्स इंसानों को दुनिया के सामने रखने का तरीका है, न कि उसका विरोध। ये हमारी रोजमर्रा की ज़िंदगी, नुस्ते और बेचैनी को भी दुनिया के सामने रखते हैं। लेकिन वाद रहो कि ये किसी घटना की साहचर्यिक रिप्रेजेंट का फेक्ट-बेसड एनालिसिस नहीं है। मीम्स एक 'थेमाइज्ड क्विज़' की तरह काम करते हैं कि अपने परभावों में हम अकेले नहीं हैं। हमारे जैसे दूसरे लोग भी हैं। ऐसे मीम्स बावों को बहुत ख़राब बदा-बधाकर दिखाते हैं। इनका काम कुछ ही सेकंड में पॉलिटिक्स को दूसरी एक पड़पड़ना होता है। ये भावनाओं को 'गैटिस्ट' में समझने का तरीका है, इसलिए हमने पूरी सावधानी से यह पढ़ने की जरूरत नहीं होती।

खिताब पर कब्जा

अध्यापक कुमार वर्मा ने सरकार के बीच प्रवित्तन चेक बैंक के तौर पर बैंक की विनियमन के मांगी

को टेलिकॉम एंड ट्रेड एग्जेंसी खोल ली। उसके निरुद्ध में अब तक करीब 500 फनी सिम कार्ड बेचे हैं। इनका इलेमल ऑनलाइन बगी, डिजिटल पेमेंट फ्रीड और अंतरराष्ट्रीय कॉलिंग में किया जाता है। STF ने इसके

100% 90% 80% 70% 60% 50% 40% 30% 20% 10% 0%

www.lucknow.nbt.in

सत्र परीक्षाओं के बीच कैसे

यही नहीं रह जाते लोग भी अंजान नगर पर एक्सिटेंट की फोटो खींच ऐप शनिवार को एआईई रमिष्ठ का आलेखन किया गया। इस मैके पर देश वर से एआईई कंप्यूटर बनाने पर काम कर रहा है। इसमें पूरी दुनिया बदलने वाली है। इससे शहर के महद से कोई भी इस पर पैर कर समाक्ष हासिल कर सकेगा।

[illegible]

[illegible]



श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भूपेन्द्रभाई पटेल
माननीय मुख्यमंत्री, गुजरात



कच्छ और सौराष्ट्र
11 और 12 जनवरी, 2026

क्षेत्रीय आकांक्षाएँ, वैश्विक महत्वाकांक्षाएँ

प्रमुख क्षेत्र



सम्मेलन की मुख्य विशेषताएँ

- उद्घाटन समारोह
- क्षेत्र-विशिष्ट सेमिनार
- कंफ्रेंस
- पैनल डिस्कशन
- सीईओ राज्ज टेबल सम्मेलन
- स्टार्टअप सम्मान समारोह
- B2B / B2G मीटिंग्स
- विशेष दौरे
- औद्योगिक दौरे
- क्षेत्रीय MSME सम्मेलन
- क्षेत्रीय पुरस्कार (MSMEs/आर्टिजन)
- ट्रेड शो/प्रदर्शनी
- रिवर्स बायर-सेलर मीटिंग
- उद्यमी मेला
- विक्रेता विकास कार्यक्रम
- सांस्कृतिक कार्यक्रम
- समापन सत्र

वाइब्रेंट गुजरात रीजनल एक्जीबिशन

11 से 15 जनवरी, 2026 | सुबह 10:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक

माननीय प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी जी
द्वारा शुभारंभ

गरिमामय उपस्थिति

श्री भूपेन्द्रभाई पटेल

माननीय मुख्यमंत्री, गुजरात

श्री हर्ष संघवी

माननीय उपमुख्यमंत्री, गुजरात

11 जनवरी, 2026, रविवार |

12:30 बजे |

मारवाड़ी यूनिवर्सिटी, राजकोट, गुजरात

“वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस से गुजरात के औद्योगिक उत्कर्ष की नई दिशा खुलेगी।”

- श्री हर्ष संघवी, माननीय उपमुख्यमंत्री, गुजरात

NOTE :-

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS

[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:- https://t.me/Newspaper_pdf_bot

Or type in Search box of Telegram

@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel

BACKUP GROUP LINK

<https://t.me/joinchat/5P9EL1JaQoYzNTI1>

Hindi-English News Paper

Website:- onlineftp.in